" कक्षा पाँच के आदिवासी तथा गैर आदिवासी विद्यार्थियों के गणित और असंज्ञानात्मक क्षेत्र में न्यूनतम अधिगम स्तर का तुलनात्मक अध्ययन "

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

की

D-106

" मास्टर ऑफ एज्यूकेशन "
उपाधि परीक्षा
1995-96

लघुशोध - प्रबंध

निर्देशिका
. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
विजय कुमार जैन
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (**NCERT**) भोपाल

** प्रमाण – पत्र **

प्रमाणित किया जाता है कि **विजय कुमार जैन** ने क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान, भोपाल मे एम एड उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध कार्य **"कक्षा पाँच के आदिवासी तथा गैर आदिवासी विद्यार्थियो के गणित और असज्ञानात्मक क्षेत्र में न्यूनतम अधिगम स्तर का तुलनात्मक अध्ययन"** मेरे निर्देशन मे विधिवत् पूर्ण किया है । यह शोध कार्य इनके अथक परिश्रम, लगन व निष्ठा से किया गया गया मौलिक प्रयास है ।

प्रस्तुत लघु शोध – प्रबध बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 1995–96 की शिक्षा मे स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आशिक सपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है ।

Agrewal

स्थान भोपाल

दिनाक 15.3.96

डॉ (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान
भोपाल (म प्र.)

** आभार – ज्ञापन **

"देना है आभार मुझे,
किन–किन शब्दो मे व्यक्त करूँ,
ह्दय हो रहा है नतमस्तक,
मौन रहूँ या व्यक्त करूँ ।"

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए मै अपनी निर्देशिका **डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल** का कृतज्ञ हूँ । जिन्होने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयो का निराकरण किया एव मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करती रही । यह शोध – ग्रथ आपके ही मार्गदर्शन, का प्रतिफल है । आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सल्य पूर्ण सहयोग एव मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा ।

मै आदरणीय प्राचार्य **डॉ पी के खन्ना,** अधिष्ठाता एव विभागाध्यक्ष **डॉ. जे.एस. ग्रेवाल** एव प्रवक्ता **डॉ. ईश्वर दयाल गुप्त** के प्रति ह्दय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होने प्रोत्साहन एव मार्गदर्शन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने मे पूर्ण सहयोग प्रदान किया है ।

मै अपने विभाग के सभी गुरूजनो का ह्दय से आभारी हूँ, जिनसे मुझे परामर्श एव सहयोग प्राप्त हुआ है ।

मै उन समस्त विद्वानो का आभारी हूँ, जिनके ग्रथो का सदर्भ ग्रथ के रूप मे प्रयोग किया है ।

मै पुस्तकालयाध्यक्ष **श्री जी.एन व्यास** तथा समस्त पुस्तकालय परिवार को धन्यवाद देता हूँ ।

मै **श्री दिगम्बर जैन** उ मा विद्यालय, भोपाल के सचिव **श्री प्रदीप कुमार सोगानी** तथा प्राचार्य **श्री सनत कुमार जैन** का इस छोटे, किंतु महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने मे दिये गये सहयोग का ह्दय से आभारी हूँ ।

शहडोल जिले के चदनिया तथा अमलिहा के प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक व छात्र–छात्राओ का अत्यत आभारी हूँ जिनके सहयोग से मै अपना कार्य पूर्ण कर सका ।

शहडोल जिले मे आँकडे एकत्रित करने मे नीलम राणा तथा रजना तिवारी द्वारा दिये गये महत्वपूर्ण सहयोग के लिए मै उन्हे धन्यवाद देता हूँ ।

मै अपने सहपाठी मुकेश श्रीवास्तव तथा सभी साथियो को सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ ।

अत मे, मै अपने पूज्य पापा जी एव मम्मी जी का सदैव ऋणी रहूँगा, जिन्होने मुझे इस कार्य को करने के लिए तन,मन, धन से सहयोग किया एव मेरा मनोबल बढाया ।

शोधकर्ता

Vijaykain 15.3.96

विजय कुमार जैन

एम एड.(छात्र)

क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान,

भोपाल (म प्र)

** अनुक्रमणिका **

क्रम	विवरण		पृष्ठ क्रमाक
अध्याय प्रथम	प्रस्तावना		1–19
	1 0	विषय प्रवेश	
	1 1	न्यूनतम अधिगम स्तर	
	1 1 1	न्यूनतम अधिगम स्तर क्यों?	
	1 1 2	न्यूनतम अधिगम स्तर की उपयोगिता	
	1 1 3	दक्षताओ का मूल्याकन	
	1 1 4	सप्रेषणीयता	
	1 1 5	मूल्याकनीयता	
	1 1 6	प्राथमिक स्तर पर गणित के उद्देश्य	
	1 1 7	अधिगम के सज्ञानात्मक और असज्ञानात्मक क्षेत्र	
	1 1 8	प्राथमिक गणित के लिये तैयारी	
	1 2	अध्ययन का महत्व	
	1 3	सबधित साहित्य का अध्ययन	
	1 4	समस्या कथन	
	1 5	शोध के उद्देश्य	
	1 6	शोध से सबधित चर	
	1 7	शोध मे प्रयुक्त चरो का अर्थ	
	1 7 1	आदिवासी क्षेत्र	
	1 7 2	प्राथमिक कक्षा	
	1 7 3	न्यूनतम अधिगम स्तर	
	1 8	शोध से सबधित परिकल्पनाये	
	1 9	न्यादर्श	
	1 10	अधिगम के असज्ञानात्मक क्षेत्र	
	1 11	शोध की सीमाये	

क्रम	विवरण		पृष्ठ सख्या
अध्याय द्वितीय	सबधित साहित्य का पुनरावलोकन		20–30
	2 0	भूमिका	
	2 1	पूर्व शोध ऑकलन	
	2 2	एन सी ई आर टी के प्रयास	
	2 3	न्यूनतम अधिगम स्तर समिति के प्रयास	
	2 4	यशपाल समिति रिपोर्ट	
	2 5	एम एल एल पर सस्कार शिक्षा समिति प्रतिवेदन 1993	
	2 6	कार्यक्रम की रूपरेखा प्रशिक्षण	
	2 7	पाठ्यक्रम पुनरीक्षण कार्यशाला प्रतिवेदन	
	2 8	न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यशाला	
अध्याय तृतीय	प्रदत्तो का सकलन एव प्रस्तुतीकरण न्यादर्श उपकरण एव तकनीक प्रयुक्त साख्यिकीय		31–42
अध्याय चतुर्थ	प्रदत्तो का विश्लेषण एव व्याख्या		43–54
अध्याय पचम	विवेचन, निष्कर्ष, सुझाव एव भावी शोध हेतु समस्याये		55–62
	सदर्भ ग्रथ सूची		63
	परिशिष्ट		

*

** चित्र व आलेख **

क्रमाक	प्रकरण	पृष्ठ
आलेख क्रमाक 3 1	प्रतिदर्श मे वर्णित आदिवासी क्षेत्र की शालाओ मे विद्यार्थियो की सख्या	B
आलेख क्रमाक 1	क्षेत्र 1 व क्षेत्र 2 की आदिवासी समूह मे छात्र व छात्राओ के प्राप्ताको (एम एल एल) का मध्यमान	C
आलेख क्रमाक 2	क्षेत्र 1 व क्षेत्र 2 की गैर आदिवासी समूह मे छात्र छात्राओ के प्राप्ताको (एम एल एल)का मध्यमान	D
आलेख क्रमाक 3	क्षेत्र 1 व क्षेत्र 2 की आदिवासी और गैर आदिवासी गैर आदिवासी छात्राओ के प्राप्ताको (एम एल एल) का मध्यमान	E
आलेख क्रमाक 4	क्षेत्र 1 व क्षेत्र 2 की आदिवासी और गैर आदिवासी छात्राओ के प्राप्ताको (एम एल एल) का मध्यमान	F
चित्र क्रमांक 1	प्रतिदर्श की स्थिति	A

** सारणियाँ **

सारणी क्रमाक	प्रकरण	पृष्ठ
क्रमाक 3 1	जिला एव शालाओ की सख्या	34
क्रमाक 3 2	क्षेत्रानुसार शालाओ की सख्या	34
क्रमाक 4 1	क्षेत्र 1 "पूर्ण सख्याओ तथा अको का समझना" का प्रसरण विश्लेषण	43
क्रमाक 4 1 1	क्षेत्र 1 की आदिवासी समूह मे छात्रो व छात्राओ की तुलना	44
क्रमाक 4 1 2	क्षेत्र 1 की गैर आदिवासी समूह मे छात्र व छात्राओ की तुलना	45
क्रमाक 4 1 3	क्षेत्र 1 की आदिवासी व गैर आदिवासी छात्रो की तुलना	46
क्रमाक 4 1 4	क्षेत्र 1 की आदिवासी व गैर आदिवासी छात्राओ की तुलना	47
क्रमाक 4 2	क्षेत्र 2 "मूलभूत योग्यताओं" का प्रसरण विश्लेषण	48
क्रमाक 4 2 1	क्षेत्र 2 की आदिवासी समूह मे छात्र व छात्राओ की तुलना	49
क्रमाक 4 2 2	क्षेत्र 2 की गैर आदिवासी समूह मे छात्र व छात्राओ की तुलना	49
क्रमाक 4 2 3	क्षेत्र 2 की आदिवासी व गैर आदिवासी छात्रो की तुलना	50
क्रमाक 4 2 4	क्षेत्र 2 की आदिवासी और गैर आदिवासी छात्राओ की तुलना	51
क्रमाक 4 3 1	क्षेत्र 1 समयनिष्ठा और नियमितता	52
क्रमाक 4 3 2	क्षेत्र 2 अध्यवसायिता/कर्मठता	53
क्रमाक 4 3 3	क्षेत्र 3 सत्यनिष्ठा	53
क्रमाक 4 3 4	क्षेत्र 4 सहकारिता	54